

फूल छोटे-छोटे हल्के नीले रंग के होते हैं, इस वृक्ष के पत्ते, फूल, फल, छाल इत्यादि सभी अंग औषधीय हैं, आयुर्वेद-ग्रंथों में महानिंब के नाम से इसका उल्लेख है, कुछ क्षेत्रों में इसे 'घोड़ानीम' नाम से जाना जाता है, बकाइन।

वकायन पुं. (देश.) दे. वकाइन।

वकालत स्त्री. (अर.) 1. वकील का कार्य 2. किसी की पैरवी ला.अर्थ. किसी की बात का समर्थन तथा गुणवर्णन मुहा. वकालत चलना- वकील के तौर पर सफल होना; वकालत जमना- वकालत बहुत अच्छी चलना।

वकालतन अव्य. (अर.) वकालत के रूप में, वकालत के तौर पर।

वकालतनामा पुं. (अर.) वकील के रूप में स्वीकार करने का लिखित कानूनी स्वीकृति पत्र।

वकासुर पुं. (तत्.) महाभारत में वर्णित एक राक्षस जिसका वध भीम ने किया था। एक अन्य वकासुर का वध बालक श्रीकृष्ण ने किया था।

वकील पुं. (अर.) विधि. कानून की उपाधि (डिग्री) प्राप्त कर न्यायालय से मान्यता प्राप्त वह व्यक्ति जो न्यायालय में किसी पक्ष को प्रस्तुत कर जिरह कर सकता है, वकालत करने वाला 2. किसी पक्ष का समर्थन करने वाला 3. संदेश वाहक, दूत राज. राजदूत।

वकुल पुं. (तत्.) 1. मौलसिरी का फूल या उसका वृक्ष, बकुल 2. शिव का एक नाम।

वकुली स्त्री. (तत्.) मौलसिरी का फूल या कली आयु. एक वनौषधि, काकोली, जीवंती, कटुका।

वक्त पुं. (अर.) 1. समय, काल 2. एक विशिष्ट कालावधि जैसे- उसका वक्त बुरा चल रहा है 3. निर्धारित समय जैसे- गाड़ी आने का वक्त हो गया है 4. मौका, अवसर जैसे- वक्त का फायदा उठाओ 5. अवकाश, फुरसत जैसे- वक्त तो निकालना ही होगा मुहा. वक्त आ जाना- मृत्यु पास होना; वक्त काटना- किसी तरह समय बिताना; वक्त की चीजें- ऋतु के अनुसार प्राप्त होने वाली चीजें।

वक्तव्य वि. (तत्.) 1. कहने योग्य, बतलाने योग्य 2. जो बात बतानी हो 3. जिससे बात कहनी हो पुं. मौखिक या लिखित रूप में बतलाई जाने वाली बात, भाषण।

वक्ता वि. (तत्.) 1. बोलने वाला 2. भाषण देने वाला 3. कथावाचक।

वक्तृ पुं. (तत्.) 'वक्ता' शब्द का समासगत मूल रूप जैसे- वक्तृगण वि. मूलतः यह संस्कृत शब्द है, शब्द रूप बनाने पर 'वक्ता' पद बनता है, वर्तमान में 'वक्ता गण' का प्रयोग भी होने लगा है, पर वक्तृत्व, वक्तृता आदि में इसी रूप में प्रयोग होता है।

वक्तृता स्त्री. (तत्.) भाषण, प्रवचन, व्याख्यान।

वक्तृत्व पुं. (तत्.) वक्तृता, वक्ता होने का भाव।

वक्तृत्वकला स्त्री. (तत्.) उत्तम या प्रभावी भाषण देने का कौशल।

वक्तृत्वशास्त्र पुं. (तत्.) भाषण को प्रभावी बनाने हेतु भाषण के आवश्यक तत्वों, उसकी तैयारी एवं प्रभावपूर्ण समाप्ति से संबंधित शास्त्र।

वक्त्र पुं. (तत्.) 1. मुँह 2. चेहरा 3. पशु की थूथन 4. पक्षी की चोंच 5. प्रारंभिक भाग जैसे- बाण की नोंक, तलवार या सुई का अग्रभाग।

वक्त्री स्त्री. (तत्.) 'वक्ता' शब्द का स्त्रीलिंग रूप, महिला वक्ता।

वक्त्र पुं. (अर.) 1. दान करने का भाव 2. ईश्वरार्पण का भाव 3. दान या ईश्वरार्पण के लिए अलग निकाल कर रखी हुई वस्तु 4. ठहराव।

वक्त्रनामा पुं. (अर.) वह लिखित दस्तावेज़ जिसमें धर्मार्थ दी गई धनराशि, संपत्ति आदि का उल्लेख हो।

वक्त्रा पुं. (अर.) 1. विलंब 2. रुकावट 3. ठहराव।

वक्र वि. (तत्.) 1. टेढ़ा 2. तिरछा 3. मुड़ा हुआ 4. घुँघराला 5. उलटा ला.अर्थ कुटिल।